**REPORT**

1. Name of the Programme : Lecture on 'Aim in Life and Perfection of Personality'
2. Date : 20-12-2021
3. Organised by : IQAC & Vivekananda Study Centre, B.N College, Dhubri, in collaboration with Vivekananda Kendra, Kanyakumari, Assam Prant
4. Name of Resource Person : Sri Diganta Biswa Sarma
   Sahitya Academy Award winner
5. Number of Participants/ students : 275 (Teacher and guest: 31, Student: 244)
6. A brief write-up of the Programme :

A daylong lecture program on 'Aim in Life and Perfection of Personality' was organized by the IQAC and Vivekananda Study Centre, B. N. College, Dhubri, in collaboration with the Vivekananda Kendra, Kanyakumari, Assam Prant on 20th December 2021. The program was inaugurated by Srimati Mrinalini Debi, renowned litterateur and Vice- President of Assam Sahitya Sabha by lightening of the lamp along with Dipa prajjalan Mantra, recited by Ms Jayashri Bhowmic, a student of the college. Dr. Dhruba Chakrabortty, Principal of B.N College presented the welcome address and highlighted the activities of the Vivekananda Study Centre of the College.

Sri Diganta Biswa Sarma, noted author cum translator, a Sahitya Academy Award winner and an ardent devotee of Sri Ramkrishna, Swami Vivekananda and Sri Sri Auribindo acted as the Resource Person. Sri Sarma cited about six qualities essential for success and perfection in life as mentioned in the Upanishads. He referred to the stories of Yama and Nachiketa as mentioned in the Kathopanishad and of Janaka and Yajnavalka as mentioned in the Brihadaranyaka Upanishad relating to the knowledge of 'Soul'. He also mentioned about Swami Vivekananda while referring to the concept of Universal brotherhood. Referring to Sri Aurobindo and Sri Maa he mentioned about the harmony between inner and outer life which is essential for knowledge of the 'Soul'. The programme was ended by Ms. Nabanita Devi, Associate Professor, Department of Philosophy and Co- Ordinator of the Vivekananda Study Centre.

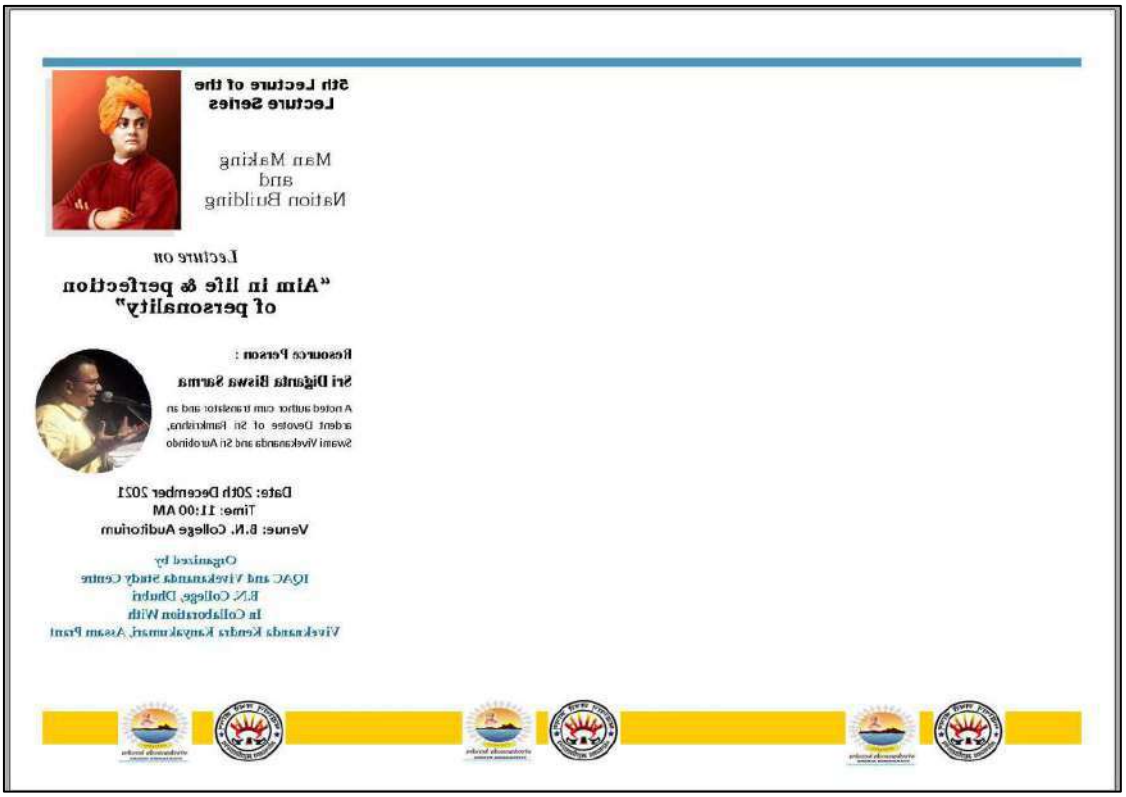

7. Few Photographs:



Brochure of the programme

Inauguration of the programme

Speech from Resource person

Participants of the programme

# दैनिक पूर्वोदय

सही दिशा, सही खबर


## धुबड़ी भोलानाथ महाविद्यालय में विवेकानंद स्टडी सेंटर की संगोष्ठी

धुबड़ी, 20 दिसंबर (नि.सं.)। धुबड़ी भोलानाथ महाविद्यालय में विवेकानंद स्टडी सेंटर द्वारा 'जीवन के लक्ष्य और व्यक्तित्व परिपूर्णता' पर आज एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह संगोष्ठी विवेकानंद केंद्र, कन्याकुमारी असम प्रांत द्वारा 'मैन मेकिंग एंड नेशन बिल्डिंग' शीर्षक पर हो रही पखवाड़िक आलोचना के अंतर्गत आयोजित की गई। समल वक्ता के रूप में साहित्य अकादमी अनुवाद पुरस्कार प्राप्त दिगंत विश्व शर्मा ने अपने लंबे भाषण में भारत की सभ्यता और संस्कृति का विश्लेषण करते हुए कहा कि हमें अपने अंदर सुप्त प्रज्ञा साधना को जागृत करना होगा, तभी अज्ञानता से ज्ञान की ओर जा सकेंगे और हम आत्मज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

शर्मा ने कहा कि जब हम अपने भीतर निहित अंतरात्मा को आध्यात्मिक रूप से जागृत कर पूर्ण रूप से लक्ष्य की ओर बढ़ेंगे तभी राष्ट्र निर्माण में हम योगदान दे सकेंगे। असमिया विभाग के व्याख्याता तथा विभागीय प्रधान डॉ. उपेंद्रजीत शर्मा के संचालन में हुई संगोष्ठी में भोलानाथ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ध्रुव चक्रवर्ती के स्वागत भाषण के बाद असम साहित्य सभा की उपाध्यक्ष मृणालिनी देवी ने संगोष्ठी को संबोधित किया।

अंत में संस्कृत विभाग की व्याख्याता डॉ. मौसमी भट्टाचार्या ने प्रणाम प्रार्थना मंत्र उच्चारण कर सभी आमंत्रित अतिथियों की उपस्थिति और संगोष्ठी को सफल बनाने पर आभार प्रकट किया।

**हमें अपने अंदर सुप्त प्रज्ञा साधना को जागृत करना होगा, तभी अज्ञानता से ज्ञान की ओर जा सकेंगे और हम आत्मज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।**

**– दिगंत विश्व शर्मा**

News paper Clippings
(Dainik Purboday, 20/12/2021)

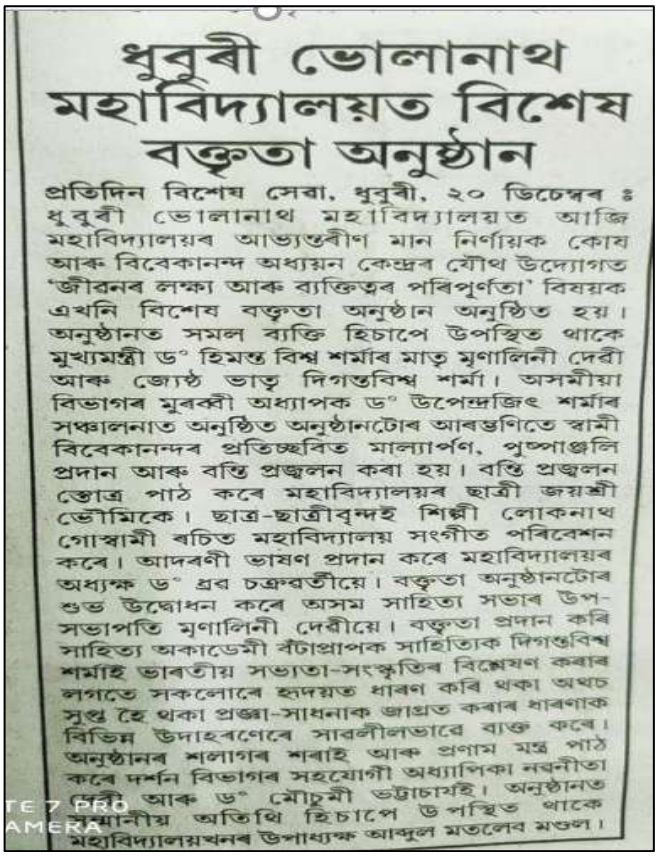



## ধুবুৰী ভোলানাথ মহাবিদ্যালয়ত বিশেষ বক্তৃতা অনুষ্ঠান

প্ৰতিদিন বিশেষ সেৱা, ধুবুৰী, ২০ ডিচেম্বৰ ঃ ধুবুৰী ভোলানাথ মহাবিদ্যালয়ত আজি মহাবিদ্যালয়ৰ আভ্যন্তৰীণ মান নিৰ্ণায়ক কোষ আৰু বিবেকানন্দ অধ্যয়ন কেন্দ্ৰৰ যৌথ উদ্যোগত 'জীৱনৰ লক্ষ্য আৰু ব্যক্তিত্বৰ পৰিপূৰ্ণতা' বিষয়ক এখনি বিশেষ বক্তৃতা অনুষ্ঠান অনুষ্ঠিত হয়। অনুষ্ঠানত সমল ব্যক্তি হিচাপে উপস্থিত থাকে মুখ্যমন্ত্ৰী ড° হিমন্ত বিশ্ব শৰ্মাৰ মাতৃ মৃণালিনী দেৱী আৰু জ্যেষ্ঠ ভাতৃ দিগন্তবিশ্ব শৰ্মা। অসমীয়া বিভাগৰ মুৰব্বী অধ্যাপক ড° উপেন্দ্ৰজিৎ শৰ্মাৰ সঞ্চালনাত অনুষ্ঠিত অনুষ্ঠানটোৰ আৰম্ভণিতে স্বামী বিবেকানন্দৰ প্ৰতিচ্ছবিত মাল্যাৰ্পণ, পুষ্পাঞ্জলি প্ৰদান আৰু বন্তি প্ৰজ্বলন কৰা হয়। বন্তি প্ৰজ্বলন স্তোত্ৰ পাঠ কৰে মহাবিদ্যালয়ৰ ছাত্ৰী জয়শ্ৰী ভৌমিকে। ছাত্ৰ-ছাত্ৰীবৃন্দই শিল্পী লোকনাথ গোস্বামী ৰচিত মহাবিদ্যালয় সংগীত পৰিবেশন কৰে। আদৰণী ভাষণ প্ৰদান কৰে মহাবিদ্যালয়ৰ অধ্যক্ষ ড° ধ্ৰুৱ চক্ৰৱৰ্তীয়ে। বক্তৃতা অনুষ্ঠানটোৰ শুভ উদ্বোধন কৰে অসম সাহিত্য সভাৰ উপ-সভাপতি মৃণালিনী দেৱীয়ে। বক্তৃতা প্ৰদান কৰি সাহিত্য অকাডেমী বঁটাপ্ৰাপক সাহিত্যিক দিগন্তবিশ্ব শৰ্মাই ভাৰতীয় সভ্যতা-সংস্কৃতিৰ বিশ্লেষণ কৰাৰ লগতে সকলোৰে হৃদয়ত ধাৰণ কৰি থকা অথচ সুপ্ত হৈ থকা প্ৰজ্ঞা-সাধনাক জাগ্ৰত কৰাৰ ধাৰণাক বিভিন্ন উদাহৰণেৰে সাবলীলভাৱে ব্যক্ত কৰে। অনুষ্ঠানৰ শলাগৰ শৰাই আৰু প্ৰণাম মন্ত্ৰ পাঠ কৰে দৰ্শন বিভাগৰ সহযোগী অধ্যাপিকা নৱনীতা দেৱী আৰু ড° মৌচুমী ভট্টাচাৰ্যই। অনুষ্ঠানত সন্মানীয় অতিথি হিচাপে উপস্থিত থাকে মহাবিদ্যালয়খনৰ উপাধ্যক্ষ আব্দুল মতলেব মণ্ডল।

News paper Clippings
(Asomiya Pratidin, 20/12/2021)